हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार 9 फरवरी 2026

तापमान

अधिकतम 24.3 डिग्री
न्यूनतम 8.3 डिग्री

11 सच्चा प्रेम इंसान के भीतर उठते आनंद की सहज...

12 शिक्षा-संस्कार ही देते हैं समाज को सही दिशा

अमेरिका के साथ ट्रेड डील से बढ़ेगा व्यापार, अनेक नए रास्ते खुलेंगेः दूबे

■ पत्रकारों से रूबरू हुए केन्द्रीय मंत्री सतीश दूबे, कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर संगठन मजबूती, नीतियों के प्रचार प्रसार सहित अन्य विषयों पर रखी बात

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे ने ने हाल ही में केन्द्र सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को विकास को गति देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट वर्ष विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है। केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट में विभिन्न वर्गों को राहत देने वाला, हर वर्ग के हितों का ख्याल रखने वाला व देश को विकास की ओर ले जाने वाला बजट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए जरूरी है और हर वर्ग को साथ लेकर चला जाए ताकि देश को विकसित बनाने में हर वर्ग की भागीदारी हो। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि बजट में कमियां केवल वे ही लोग निकाल रहे हैं, जिन्होंने अपने समय में कमियां छोड़ी थी और जो जनता को साथ लेकर नहीं चले लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के ध्येय के साथ आगे बढ़ रहे हैं और जनता को भरपूर समर्थन भाजपा सरकार को मिल रहा है।

विपक्ष के पास सरकार के हर कार्य में कमी निकालने का ही काम

एक सवाल के जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील से विकास के नए रास्ते खुलेंगे, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम केवल यही रह गया है कि वह सरकार के हर काम में मिन मेख निकाले। बजट आता है तो विपक्ष के लोग बजट की आलोचना करते हैं और अब जब अमेरिका से ट्रेड डील हो गई तो विपक्ष के लोग उसकी आलोचना में लग गए। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इससे पहले जिला कार्यालय पहुंचने पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, बजट टोली के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से उपरोक्त के अलावा बजट टोली के जिला संयोजक अशोक मित्तल, महामंत्री आशीष जोशी व कृष्ण सरसाना, मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व मंत्री अनूप धानक, चेयरमैन रविंदर रॉकी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपरा, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, सरोज सिहाग, मनदीप मलिक, रामचंद्र गुप्ता, रतन सैनी, सुरेन्द्र सैनी, सुरेन्द्र लाहोरिया, महेन्द्र सिंह पानू व धर्मबीर पानू सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

विपक्ष के दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए जनता के बीच जाएं कार्यकर्ता

केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे ने भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे विपक्ष के दुष्प्रचार का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए जनता के बीच जाएं। जनता को बताएं कि केन्द्र की भाजपा सरकार हर कदम देशहित में उठाकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कृतकंसकल्पित है। केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया और कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा का एक एक कार्यकर्ता यौद्धा की तरह हर समय मैदान में रहता है, वह चाहे चुनाव का मैदान हो या पार्टी की मजबूती के लिए जनता के बीच जाने का मैदान हो या फिर सरकार की नीतियों का प्रचार-प्रसार करने का मैदान हो। उन्होंने कहा कि वैसे तो पिछले 11 वर्षों से अधिक समय में केन्द्र सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए हैं लेकिन वर्तमान में केन्द्रीय बजट मुख्य मुद्दा है, जिस पर विपक्ष के लोग जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। हमें जनता के बीच जाकर बताना है कि सच्चाई क्या है। हमें जनता को गुमराह नहीं करना है बल्कि बताना है कि केन्द्र ने विकसित भारत बनाने की दिशा में सबसे अच्छा बजट पेश किया है। केन्द्रीय मंत्री ने संगठन की मजबूती, नीतियों के प्रचार प्रसार सहित अन्य विषयों पर भी प्रकाश डाला।

हिसार : बैठक में विचार रखते केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे व उपस्थित पदाधिकारी।

जिले में संगठन की गतिविधियों की दी जानकारी

मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि बैठक में पहुंचने पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ व अन्य पदाधिकारियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे का स्वागत किया। जिला अध्यक्ष ने केन्द्रीय मंत्री को जिले में संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। मीडिया प्रभारी ने बताया कि बैठक में बजट टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. कमल गुप्ता, जिला संयोजक अशोक मित्तल, महामंत्री आशीष जोशी व कृष्ण सरसाना, मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व मंत्री अनूप धानक, चेयरमैन रविंदर रॉकी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, मुनीश ऐलावादी, कृष्ण खटाना, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, सरोज सिहाग, मनदीप मलिक, रामचंद्र गुप्ता सुरेन्द्र सैनी, सुरेश गोयल धूपवाला, महेन्द्र सिंह पानू, धर्मबीर पानू, विकास गौड़, प्रदीप शर्मा, सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पति व ससुरालजनों पर दहेज प्रताड़ना का केस

हिसार। शहर राजीव नगर निवासी एमबीए पास नेहा ने पति मयंक और ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है। नेहा के अनुसार, 2021 में हुई शादी में उसके माता-पिता ने करीब 20 लाख रुपए खर्च किए थे, लेकिन शादी के बाद से ही पति लग्जरी कार की मांग करने लगा। आरोप है कि सास-ससुर भी ताने देते थे। बच्ची के जन्म पर उसे बेटा न होने का उलाहना देकर अस्पताल में अकेला छोड़ दिया गया और बाद में घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोशाला में फ्री मेडिकल चेकअप कैंप आज

बरवाला। अग्रोहा मार्ग पर रेलवे फाटक के समीप गोरक्षा सेवा समिति गोशाला के प्रांगण में 9 फरवरी को फ्री मेडिकल चेकअप कैंप लगाया जाएगा। पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता रणधीर सिंह धीरू ने बताया कि इस चेकअप कैंप में मेदांता मेडिसिटी अस्पताल गुरुग्राम के प्रसिद्ध डॉक्टरों की टीम द्वारा लोगों के हृदय, छाती, फेफड़े, हड्डियों व बीपी आदि की जांच की जाएगी। इस कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा द्वारा शिरकत की जाएगी।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या में पकड़ा गया मध्यप्रदेश का युवक 5 दिन के पुलिस रिमांड पर

सुभाष मलिक हत्याकांड में घिराय का युवक पकड़ा, साजिश की परतें खुलने की उम्मीद

अब तक चार आरोपी हो चुके गिरफ्तार, डीजीपी ने कर रखी है 50 हजार रुपये इनाम की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हुडा सेक्टर-6 निवासी प्रॉपर्टी डीलर सुभाष मलिक हत्याकांड में पुलिस जांच अब नए चरण में प्रवेश कर चुकी है। शनिवार देर रात पुलिस ने हत्याकांड के चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान घिराय निवासी गुरदीप के रूप में हुई है। पुलिस उससे भी पूछताछ कर रही है और हत्याकांड की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। गिरफ्तार किए गए मध्यप्रदेश निवासी आरोपी पवन को अदालत में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान पूछताछ में इस वारदात से जुड़े अन्य लोगों की संलिप्तता का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस अब तक इस मामले में मुख्य आरोपी सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि जांच एजेंसियों का मानना है कि पूछताछ के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इस हत्याकांड में इन चारों के अलावा कोई और भी शामिल था या नहीं। फिलहाल चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत की सांस जरूर ली है।

मुख्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार

हांसी सीआईए टीम इस मामले के मुख्य आरोपी भैणी महाराजपुर निवासी गुरमीत को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस की इस कार्रवाई से संतुष्ट होकर राज्य के पुलिस महानिदेशक ने टीम के लिए 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपी पवन से गहन पूछताछ की जाएगी, जिससे इस हत्याकांड की पूरी साजिश, कारण और अन्य संभावित आरोपियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है।

हांसी। प्रॉपर्टी डीलर सुभाष मलिक हत्याकांड में पकड़े गए आरोपी।

निशानदेही के दौरान पुलिस से हुई मुठभेड़

शनिवार को गिरफ्तार किए गए पवन और महेन्द्र को पुलिस मध्यप्रदेश से लेकर आई थी। दोनों को रिमांड पर लेकर आगे की जांच की तैयारी थी, लेकिन शेखपुरा गांव में निशानदेही के दौरान स्थिति बदल गई। पुलिस के अनुसार आरोपी महेन्द्र ने अपने छिपाए हथियार से अचानक पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को काबू करने के लिए जवाबी कार्रवाई की, जिसमें मुठभेड़ के दौरान महेन्द्र के पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उपचाराधीन होने के कारण उसे अदालत में पेश नहीं किया जा सका, जबकि उसके साथी पवन को पेश कर रिमांड पर लिया गया।

महेन्द्र से बरामद हुए हथियार

पूछताछ के दौरान महेन्द्र ने वारदात में प्रयुक्त हथियार छिपाने की जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस टीम उसे शेखपुरा क्षेत्र में बरामदगी के लिए लेकर गई। इसी दौरान आरोपी ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस और वारदात में प्रयुक्त खाली खोल बरामद किए हैं।

डीआईटीएस कर्मचारियों ने मांगी जॉब सिक्योरिटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा में डिजिटल प्रशासन की रीढ़ कहे जाने वाले जिला सूचना एवं प्रौद्योगिकी सोसायटी के अंतर्गत कार्यरत हजारों डाटा एंट्री ऑपरेटर, कम्प्यूटर प्रोफेशनल, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं अन्य सहायक कर्मचारी आज गहरी निराशा और असुरक्षा की स्थिति में जीवन यापन कर रहे हैं।

अपनी मांगों बारे यहां की कुम्हार धर्मशाला में डीआईटीएस कर्मचारियों की बैठक प्रधान सोनू कौशिक की अध्यक्षता में हुई जिसमें सैंकड़ों कर्मचरियों ने भाग लेकर अपनी आवाज को बुलंद किया। मीडिया प्रभारी विनोद बंसल ने कहा कि प्रदेश में सीएम विंडो, जनसंवाद, सरल पोर्टल, ई-दिशा केंद्र, भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण, वाहन व ड्राइविंग लाइसेंस सेवाएं, शस्त्र लाइसेंस पोर्टल, समाधान शिविर, ई-ऑफिस, ऑनलाइन राजस्व न्यायालय प्रकरणों का अद्यतन जैसी जन-कल्याणकारी सेवाओं को जमीन पर सफलतापूर्वक लागू करने में कर्मचारियों की भूमिका सर्वविदित है। आज आम जनता घर बैठे जिन सेवाओं का लाभ ले रही है, उसके पीछे इन कर्मचारियों का दिन-रात का अथक परिश्रम छिपा है।

हिसार। डीआईटीएस कर्मचारियों को संबोधित करते प्रधान सोनू कौशिक।

प्रधान सोनू कौशिक ने कहा कि सरकार की ट्रिपल इंजन व्यवस्था की सफलता, बार-बार जनता का विश्वास और हर परियोजना से प्राप्त वाहवाही में जिला आईटी सोसाईटी कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा है। स्वयं मुख्यमंत्री, मंत्रीगण एवं वरिष्ठ अधिकारी प्रत्येक मंच से जिला आई.टी. सोसाइटी के कार्यों की सराहना करते रहे हैं।

पशुओं की बीमारियों के निदान के लिए अपनाएं उन्नत तकनीक

■ लुवास में 38वें आईसीएआर सेंटर ऑफ एडवांस फैकल्टी ट्रेनिंग का विधिवत उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में 38वें आईसीएआर सेंटर ऑफ एडवांस फैकल्टी ट्रेनिंग का विधिवत उद्घाटन किया गया। 21 दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए वैज्ञानिकों को 'पशु रोगों के निदान और नियंत्रण में नवीन प्रगति' विषय पर गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि पशुपालकों को बेहतर उत्पाद और अधिक आय सुनिश्चित करने के लिए पशुओं व कुक्कुट में होने वाली बीमारियों के निदान की आधुनिक तकनीकों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण भविष्य में संभावित रोग प्रकोप से पहले तैयारी करने, पशुधन स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत बनाने और पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने माइक्रोबायोलॉजी व इम्यूनोलॉजी के क्षेत्र में विभाग के अनुसंधान कार्यों की सराहना भी की। पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज कुमार रोज़ ने पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए आयोजकों को बधाई दी।

हिसार। पत्रिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा व अन्य अधिकारी।

पुस्तक का विमोचन किया

मुख्य अतिथि ने 'प्रशिक्षण पुस्तिका' का विमोचन भी किया। विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. राजेश छाबड़ा ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विभाग की उपलब्धियों और प्रशिक्षण के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के कौशल को बढ़ाना है, जिसमें प्रायोगिक प्रशिक्षण के साथ विशेषज्ञों के व्याख्यान शामिल होंगे। पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. अखिल कुमार गुप्ता और डॉ. महावीर सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में सात राज्यों से 16 वैज्ञानिक व प्राध्यापक भाग ले रहे हैं। उन्हें विषय से जुड़े संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा।

पुलिस कर्मियों पर मानसिक दबाव छुट्टियां सिर्फ कागजों में : जगदीश

हिसार। बहुजन समाज पार्टी के हरियाणा प्रभारी जगदीश चन्द्र का कहना है कि हरियाणा में पुलिस कर्मी अत्यधिक मानसिक तनाव, अमानवीय कार्य-घंटों और अवकाशों की कटौती से जूझ रहे हैं। पुलिस से ही सेवानिवृत्त जगदीश चन्द्र ने कहा कि लगातार ड्यूटी साप्ताहिक अवकाश न मिलना और अर्जित अवकाश की मनमानी रोक ने पुलिस कर्मियों को मानसिक अवसाद की स्थिति में पहुंचा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप कई दुखद घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा घोषित साप्ताहिक विश्राम केवल दिखावा बनकर रह गया है। स्थिति इतनी अमानवीय है कि बच्चों की शादी पर मात्र पांच दिन और माता-पिता की गंभीर बीमारी पर केवल दो दिन की छुट्टी दी जाती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पुलिस कर्मियों को वास्तविक साप्ताहिक अवकाश दिया जाए, अर्जित अवकाश बिना भेदभाव लागू किया जाए, आपात और पारिवारिक परिस्थितियों में मानवीय नीति अपनाई जाए।

सीलिंग प्लानः 406 वाहनों की जांच, 104 के किए चालान

हांसी। सीलिंग प्लान के दौरान वाहनों की जांच करती पुलिस।

अपराधियों पर नकेल के लिए चला विशेष चेकिंग अभियान

हांसी। पुलिस ने शनिवार को जिले में सीलिंग प्लान के तहत अपराधियों व शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर कुल 406 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान मोटर वाहन अधिनियमों की उल्लंघना करने वाले 104 वाहनों के चालान किए गए। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने मोठ रोड पर जांच के दौरान मोटरसाइकिल पर पीछे बैठी एक महिला के कब्जे से 48 बोतल देसी शराब बरामद की गई। पूछताछ करने पर मोटरसाइकिल चालक की पहचान धर्म खेड़ी निवासी मोहित के रूप में हुई। अवैध शराब के साथ पकड़ी गई महिला सहित दोनों आरोपियों को काबू कर थाना नारनौंद में मामला दर्ज कर अवैध शराब व मोटरसाइकिल को पुलिस कब्जे में लिया गया। कुंदनापुर रोड पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल चालक कृष्णा कालोनी निवासी शक्ति के कब्जे से 9 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अवैध शराब व मोटरसाइकिल को कब्जा पुलिस में लिया गया है।

सीलिंग प्लान के दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा जिला हांसी के विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा नियमों की अनदेखी से होने वाले संभावित हादसों के बारे में भी समझाया गया।

मौसम जिले के तापमान में फिर उतार-चढ़ाव, दक्षिणी-पश्चिमी और दक्षिणी-पूर्वी हवाओं ने करवाया गर्मी का अहसास

इस माह 5 डिग्री तक बढ़ेगा पारा, सर्दी की विदाई के संकेत

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पिछले दिनों हुई हल्की बारिश और ओलावृष्टि के बाद जिले के तापमान में एक बार फिर उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल करीब एक सप्ताह तक हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली का मौसम आमतौर पर शुष्क बना रहेगा और बारिश की संभावना नहीं है।

हालांकि दिन और रात के तापमान में धीरे-धीरे बदलाव जारी रहेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय क्षेत्र में कोई बड़ी मौसमी प्रणाली सक्रिय नहीं है, जिसके कारण मौसम स्थिर लेकिन गतिशील बना हुआ है। हवाओं की दिशा में लगातार बदलाव से तापमान में भी उतार-चढ़ाव दर्ज किया जा रहा है। सुबह और शाम के समय उत्तरी हवाएं चलने से ठंड का असर महसूस हो रहा है, जबकि दोपहर में दक्षिणी-पश्चिमी और दक्षिणी-पूर्वी हवाओं के कारण हल्की गर्माहट बनी रहती है। पर्वतीय इलाकों की बात करें तो एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से वहां हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है।

हिसार। मौसम का आनंद लेतीं महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हालांकि इसका प्रभाव मैदानी क्षेत्रों पर सीमित ही रहेगा और यहां केवल आंशिक बादलवाई देखने को मिल सकती है। तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो रविवार को हरियाणा के अधिकतर स्थानों पर दिन का तापमान 21 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान सामान्य के आसपास बना रहा।

आज और कल कहीं-कहीं बूंदाबांदी के आसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 10 फरवरी तक मौसम परिवर्तनशील रह सकता है। 9 और 10 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना भी जताई गई है। इसके बाद मौसम फिर से शुष्क हो जाएगा और रात के तापमान में गिरावट के साथ कुछ स्थानों पर धुंध भी देखने को मिल सकती है। हिसार में अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री और न्यूनतम 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार फरवरी के पहले पखवाड़े के बाद तापमान में चार से पांच डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे सर्दी का असर कम हो जाएगा और गर्मी की शुरुआत महसूस होने लगेगी। हालांकि इस दौरान सुबह-शाम गुलाबी ठंड का असर बना रहेगा। कुल मिलाकर, आने वाले दिनों में प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा, तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और सर्दी की विदाई के संकेत साफ दिखाई देने लगेंगे।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।
-हरिवंश राय बच्चन

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

कहानी
संगीता बैनीवाल

मेरु की बहू

घर के बाहरी हिस्से में एक बैठक है। बैठक का घर के बाहरवाई हिस्से में होने का कारण भी मैं आज तुम्हें जरूर बताऊंगी। क्योंकि आजकल बैठक घर के अंदर होती हैं पर मैं जिस बैठक की बात कर रही हूं, वो उस जमाने की भी याद दिलाती है, जब बैठक घर के बाहर होती थी और केवल पुरुषों के बैठने के काम आती थी। उस जमाने में बैठक घर के बाहर ही होती थी बताना इसलिए भी जरूरी है कि बैठक के बाहर होने के पीछे गांव की एक खास सोच थी, जिसे हम साझी सोच भी कह सकते हैं।

दरअसल, वह हर घर में लागू होती थी। बैठक तो उसका आधुनिक नाम है। यह वह बैठक है जिसमें केवल पुरुष बैठा करते थे। इस बैठक में घर की औरतें नहीं बैठती थी केवल आदमी और लड़के बैठते थे। यदि कोई मेहमान आता था तो वह बैठक में ही बैठता था। परिवार की रजामंदी पर ही वह घर के भीतर दाखिल हो सकता था। हां, अगर किसी मेहमान के साथ कोई औरत या लड़की आई है तो वह घर के अंदर आंगन में चली जाती थी, बिना रोक-टोक के। अगर किसी गरीब के घर में बैठक नहीं है तो अपने आसपास जो भी, जिस भी भाई की बैठक होती थी, अपने मेहमान को वहां बैठा दिया करते थे। इसके लिए उसे बैठक के मालिक से इजाजत लेने की आवश्यकता भी नहीं होती थी, इतना अधिकार तो आपस में समझा जाता था। अब समझ में आई बाहरवाई बैठक। यानी घर के पुरुष और बाहर के पुरुष उनके लिए होती थी यह बैठक। क्योंकि घर की बहू-बेटियों पर किसी की बुरी नजर ना पड़े इसलिए उनके लिए आंगन कोठड़ा कोठड़ी सूपा, बिसाला, दुकड़िया ये सब कमरों के नाम है इनमें कहीं भी किसी भी जगह बैठने की छूट होती थी।

अधिकतर घरों में आंगन भी दो ही होते थे, एक बाहरवाई जिसमें ये बैठक और पशुओं के रहने की जगह और उनके चारे के लिए कमरे बने होते थे। दूसरा एक भीतर आंगन जिसमें बहू बेटियां अपनी सुविधा के अनुसार रहती थी। कोई भी बड़ा-छोटा पुरुष आवाज करके ही आंगन में आता था ताकि बहू-बेटी अपने आप को संभाल ले, अपने कपड़े- वस्त्र इत्यादि ठीक-ठाक कर ले। जिन बहू को घूंघट करना होता था, वह अपना घूंघट कर ले। सभी औरतें संभल जाती तब कोई बड़ी औरत उस पुरुष को आवाज देकर अंदर बुलाती थी। तब तक पुरुष बाहर खड़ा इंतजार करता था। जब तक अंदर से आवाज ना आए, पुरुष अंदर दाखिल नहीं होता था। किसी बुजुर्ग औरत के आवाज लगाने पर कि "भाई कौन है अंदर आ जाओ।" तब पुरुष अंदर दाखिल होता था। यह सब बिलकुल सहज सा ही लगता था। इतना औपचारिक भी नहीं लगता था कि उस जमाने में जो आज सुनने में लग रहा है। कुटुंब का भी बड़े ओहदे का पुरुष आंगन के दरवाजे के पास पहुंच कर पहले खांसने की आवाज करता, जिसे खंगारा करना कहते थे, या किसी बच्चे का नाम जानता हो तो उस बच्चे के नाम से आवाज लगाता। जैसे 'रामसिंह!' आवाज लगाने के बाद इंतजार करता, यदि भीतर से कोई बुलावा आया है, उसकी पहचान हो गयी, तभी कोई बड़ी औरत भीतर आने के लिए कहती थी। इसके पीछे कारण यह भी था कि उस समय संयुक्त परिवार होते थे और संयुक्त परिवार में मनुष्य भी ज्यादा होते थे। उन पुरुषों का कोई गलत सोच का यार-दोस्त भी हो सकता था। इसलिए हर एक के लिए भीतर वाले आंगन में एंट्री नहीं थी, लेकिन इस व्यवस्था का एक विपरीत पक्ष भी था। अब जब कुछ सीधा होता है तो बैलेंस करने के लिए कुछ उल्टा भी जरूरी है। उल्टी बात यह थी कि बहू बहन-बेटियां बैठक में नहीं आ सकती थी, उन्हें इजाजत नहीं थी। वो बैठक में एक-दो शर्तों पर ही एंट्री मार सकती थी। एक तो सुबह के समय झाड़ लगाने के लिए, दूसरा जब बैठक में कोई पुरुष ना हो। दूसरी एंट्री दोपहर में कभी-कभी मिलती थी क्योंकि दोपहर में अधिकतर पुरुष खेतों में होते थे। जहां जाने पर रोक होती है, वहां जाने का उतना ही अधिक मन करता है।

हां, तो यह मेरे बचपन की वही बैठक है। आज मैं ससुराल से मायके में अपने घर आई हूं। इस समय शाम, गोधूलि वेला का वक्त है। सोचा कि बैठक में गेड़ा मार के आती हूं। यह गेड़ा आजकल वाले गेड़ा से अलग था। उस जमाने का गेड़ा भी बताऊंगी, कभी फुर्सत में। हां, तो मैं बैठक में आ गई हूं। पिता जी, चाचा-ताऊ, भाई उनकी अनुपस्थिति में भी उनके होने का अहसास लेने के लिए। मेरे साथ मेरी मां भी है। बैठक की दीवार पर पिताजी की फोटो टंगी हुई है। फोटो बहुत पुरानी है। बहुत पहले बनवाई हुई। इस फोटो में पिताजी जवान लगते हैं। 20-25 साल पुरानी तो जरूर होगी यह फोटो। इस फोटो पर नजर पड़ी और नजर पढ़ते ही मुझे फोटो से घूंघट सीन ताजा हो गया। सीन ताजा होते ही फिल्म की नायिका मेरु चौकीदार की पत्नी भुज्जी भी यादों में यूं आ टपक पड़ी, जैसे दुछत्ती से पुराने गुड़ का टोपा टपक जाता है। अब जब टपक पड़ी तो सोचा खैर-खबर भी ले ही लूँ।

'माँ !'

'हूँ' मां ने जवाब दिया।

'मेरु चौकीदार की बहू ठीक है?' मैंने पूछा।

'ओह! क्या बताऊं बेटी! वो तो होली के आसपास ही राम को प्यारी हो गई बेचारी।' मां का अफ़सोस भरा जवाब।

'अच्छा! ओह हो...! सच में? यूं कैसे?'

'हां बेटी...! उसको तो इतनी अच्छी तरह उठा के ले ग्या राम। सुबह की चाय पी के बैठी ही थी और बैठी-बैठी ही लुढ़क गई।'

मां उसकी यादों में पहुंच कर बोले जा रही थी।

'मेरु ने बहू-बेटों को आवाज़ लगाई। उन्होंने आकर देखा-संभाला, नब्ज देखी तो पता चला कि वह तो राम के घर पहुंच भी गई।'

मां के द्वारा बताने के लहजे में उसके जाने के दुख के साथ-साथ बिना तकलीफ ठीक-ठाक प्राण देने का सुकून ज्यादा झलक रहा था।

'मेरु की बहू भुज्जी कितनी सीधी थी ना।' अपने मन ही मन कहा मैंने। बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

एक बार की बात है, हम घर की सभी महिलाएं दोपहर में बैठक में लगे नए बिजली के पंखे की हवा ले रहीं थी। पंखा नया लगवाया था। सबसे पहले बैठक में ही लगा था। घर में अंदर अभी नहीं लगा था। उस समय पुरुष कोई था नहीं। सभी औरतें अपना काम निपटा कर बैठक में पंखे की हवा का आनंद ले रही थीं। उसी समय मेरु की बहू का आना हुआ। मैडम भुजी ने ये चमत्कार पहली बार देखा था। चलते हुए पंखे की गोल आकृति देख हैरतअंगेज थी कि ये गोल-गोल चीज अपने आप कैसे चल रही है, इसमें हवा कहां से आ रही है। मैं भी जादूगर सम्राट शंकर की फीलिंग लेकर पंखे का स्विच कभी ऑफ करती और कभी ऑन करती हुई भुज्जी की तरफ देख रही थी। उसके चेहरे पर आए अचंभित भावों को देखकर खुश हो रही थी। उसे समझाने की भी कोशिश कर रही थी कि यह चीज गोल नहीं है, स्विच ऑफ करके दिखाना चाह रही थी। इस पर वह और ज्यादा अचंभित हो गई, कहने लगी कि फिर यह गोल कैसे दिख रही थी। मेरे पिताजी साहूकार के घर पंखा झलने के लिए जाया करते थे। उस पंखे की तो लंबी झालर होती थी।

अब मैं मेरु की बहू की अचंभित बातों से बोर सी भी होने लगी थी। पंखे से नजर हटते ही मेरु की बहू की नजर पिताजी की फोटो पर पड़ी और नजर पड़ते ही वह सकपका गई। बस फिर क्या था। मुझे सुनहरी मौका मिल गया था, उसे सताने के लिए। मैंने झट सवाल किया।

'मेरु की बहू।'

'हाँ री ननद।' भुजी ने मेरी तरफ देखकर कहा।

'तुम अपने चाचा ससुर की फोटो के आगे बिना घुंघट के.....?'

मैंने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए अपनी बात चालू रखी। 'आने दे शाम को पिताजी को.....। जरूर बताऊंगी। जरूर बताऊंगी कि तुम्हारी चौकीदारनी तो शहर की मेम बन गई है, घूंघट करना अब इसके बस का नहीं है।'

इतना सुनते ही मेरु की बहू ने झट घूंघट कर लिया पिताजी की फोटो से। और मुझसे मिन्नत करने लगी 'री ननद, हाथ जोड़ विनती करूं हूं। देखोए ये बात नंबरदार जी को नहीं बताना। मेरा भरी पंचायत में मजाक बन जाएगा और चौकीदार तो हर रोज मुझे ताने देगा, सो अलग। मैंने तो नंबरदार जी की फोटो देखी ही नहीं थी, अगर देखी होती तो क्या मैं ऐसा काम करती। री, नंद अबकी बार बचा ले।'

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

आज बैठक में खड़ी, मेरे अंदर यादों के ये सब चलचित्र बारी-बारी से आते गए और जाते गए आंसुओं से धुंधला भी रहे थे। गला भर आया। अब मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया बैठक में। आंखों से पानी बह रहा था, गला भर गया था। अकेली मेरु की बहू खड़ी थी मेरे सामने। मैं बस इतना ही कह पाई।

'कुछ साल तो और रुक जाती मेरु की बहू...! बैरन....! इतनी क्यों जल्दी मचाई जाने की?

बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

शिव आराधना

देवों के हैं देव महादेव शिव शंकर
नाम है अनेक जिसमें इक है गंगाधर
शिव अनुकम्पा से जीवन होगा बेहतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव औघड़, आशुतोष, गृहस्थ, महायोगी
त्यागी और तपस्वी हैं हमारे शिव वियोगी
शिव महिमा को बिल्कुल न समझो तुम कमतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव ज्ञान के वेद रामायण के प्रणेता
मानव के आदर्श शिव हैं रक्षक देवता
भक्तजनों की वेदना लेते शिव हैं हर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव संगीत के स्वर हैं शिव स्मृति उत्सव
शिव गौरव हैं प्रेम के दुष्टों के भैरव
शिव आराधना से मिले मोक्ष का अवसर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

कविता
सपना

एक पल

एक पल जो सिर्फ मेरा हो।
एक पल जिसमें ख़ुद से मिलना हो ॥
एक पल जिसमें जिम्मेदारी न हो किसी रिश्ते की।
एक पल जिसमें जवाबदेही न हो आठों पहर की ॥
एक पल जिसमें मेरे होने का एहसास हो।
एक पल जिसमें शब्दों की जरूरत न हो ॥
एक पल जो एक कप चाय में शक्कर की तरह घुल जाए।
एक पाल जो पूरे दिन का आधार बन जाए ॥
एक पल जिसमें दिन भर की थकान बातों से पिघल जाए।
एक पल जिसमें बिन सवाल हर जवाब मिल जाए ॥
एक पल जिसमें हँसते हुए डर न लगे।
एक पल जिसमें जीवन संघर्ष न लगे॥
एक पल..
सि र्फ एक पल ..जो सिर्फ मेरा हो ॥

कविता
मनीषा मंजरी

प्रदर्शन का युग

प्रदर्शित पीड़ा हीं अब समझ आएगी,
निःशब्द चीखें ना किसी को लुभाएगी।

युग प्रदर्शन का, विचित्रता का पर्याय बना,
अश्लीलता, इस सभ्यता की पहचान चुराएगी।

दयनीयता अब आँखों को कहाँ रुलायेगी,
पथ की हर ठोकर, मनोरंजन का विषय कहलाएगी।

निजता - शालीनता, अदृश्यता की सार्थकता को पाएगी,
आडम्बर, मूर्छित व्यक्तित्व की चिताएं सजायेगी।

परनिंदा, दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगी,
निर्णयात्मकता की कटार, बस स्वयं को बचाएगी।

हर क्षण की कहानियां, परदों पर छाएगी,
सहायता को बढ़ेंगे हाथ नहीं, बस टिप्पणियां लिखी जाएंगी।

इस संवेदनशून्यता की नींद, क्या कभी खुल पाएगी,
या मृत अस्तित्व के बाजार में, हर चेतना लूटी जायेगी।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

लघु कथा
डा. मधुकांत

एक नई उड़ान

हरियाणा के एक छोटे से कस्बे में सूरज की पहली किरण अभी खिड़की से अंदर आई ही थी कि भतेरी के घर में चहल-पहल शुरू हो गई। सुमेर प्रतिदिन की भांति अपने पुराने ऑटो के पास पहुँचा। जैसे ही उसने ऑटो स्टार्ट करने के लिए हैंडल खींचा, भतेरी रसोई से ताज़ा बनी रोटियों का लंच बॉक्स लेकर दौड़ती हुई आई। उसने इठलाते हुए और चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान के साथ सुमेर को डब्बा पकड़ाया। 'आज शाम को ज़रा घर जल्दी आ जाना,' उसने धीमे से कहा। सुमेर ने माथे पर बल देते हुए पूछा, 'क्यों भाई? आज क्या खास बात है? क्या फिर से कोई पड़ोस की पंचायत है?'

भतेरी ने बनावटी गुस्से में अपना हाथ कमर पर रखा और बोली, 'आपको तो कुछ याद रहता नहीं! आज हमारी शादी की पहली सालगिरह है। पिछले साल इसी दिन मैं इस घर में आई थी।' सुमेर का चेहरा थोड़ा उतर गया। वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसे शाम को दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीने की लत थी। उसने ईमानदारी से कहा, 'देखो भतेरी, जल्दी आ गया तो घर में क्लेश ही होगा। तुम्हें मेरा पीना पसंद नहीं और मैं अभी इसे छोड़ नहीं सकता। फिर सालगिरह का मज़ा तो किरकिरा हो जाएगा ना?'

भतेरी ने एक गहरी साँस ली। वह सुमेर को बदलना चाहती थी, पर लड़कर नहीं, बल्कि प्यार से। उसने सुझाव दिया, 'आप आज बाहर मत रुकना। आप घर पर बैठकर ही अपना खाना-पीना करना। कम से कम मुझे आपकी सुरक्षा की चिंता तो नहीं रहेगी। सड़क पर नशे में ऑटो चलाना ठीक नहीं है।'

सुमेर की आँखें चमक उठीं। उसे लगा जैसे उसे अपनी पसंद की चीज़ के लिए लाइसेंस मिल गया हो। वह खिलखिलाकर बोला, 'अरे वाह मेरी धन्नो! आज तो मज़ा आ गया। तू तो बड़ी समझदार निकली।' सुमेर जब भी भतेरी से बहुत खुश होता या जिस दिन उसकी अच्छी कमाई होती, वह उसे प्यार से 'धन्नो' पुकारता था। भतेरी का नाम उसकी दादी ने रखा था। वह अपने माता-पिता की तीसरी बेटी थी। दादी को पोते की प्रबल चाहत थी, इसलिए जब तीसरी बार भी लड़की हुई, तो उन्होंने खीझकर उसका नाम 'भतेरी' रख दिया, जिसका अर्थ था—'अब बहुत हुई, और नहीं चाहिए।' बाद में जब घर में छोटा भाई पैदा हुआ, तो तीनों बहनों का जीवन जैसे सहायक जैसा हो गया। भतेरी ने पढ़ाई तो की, लेकिन उसका अधिकांश समय भाई के डायपर बदलने और उसे खिलाने में बीतता। स्कूल के दिनों में वह साइकिल चलाने में बहुत माहिर थी; वह लड़कों को भी पीछे छोड़ देती थी। लेकिन समाज की बेड़ियों ने उसे रसोई तक सीमित कर दिया। शादी के बाद जब वह सुमेर के घर आई, तो उसने देखा कि सुमेर के पास कमाई का साधन सिर्फ एक पुराना ऑटो है। एक रात सुमेर भारी नशे में था। उसे सवारियाँ छोड़नी थी, लेकिन उसकी आँखें मुंद रही थीं। उसने मज़ाक-मज़ाक में भतेरी को स्टेयरिंग पर बैठने को कहा।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

एक दोपहर सुमेर को तेज़ बुखार था। तभी पड़ोस के घर से चीखने की आवाज़ें आईं। पड़ोस की महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। एम्बुलेंस आने में वक्त था। भतेरी ने बिना देर किए सुमेर के ऑटो की चाबी उठाई और उन सबको अस्पताल पहुँचाया। उस दिन कस्बे के लोगों ने उसे एक नया नाम दिया-'गुलाबो'। उसकी फुर्ती और मददगार स्वभाव ने सबका दिल जीत लिया। धीरे-धीरे गुलाबो ने तय किया कि वह घर बैठने के बजाय सुमेर का हाथ बँटाएगी। उसने अकेले ऑटो लेकर निकलना शुरू कर दिया। पहले ही दिन जब वह शाम को घर लौटी, तो उसके पल्ले में 500 रुपये बँधे थे। सुमेर हैरान था। गुलाबो की यह पहली स्वतंत्र कमाई थी। एक महिला को ऑटो चलाते देखना शहर के लिए नई बात थी। स्थानीय पत्रकारों ने गुलाबो के संघर्ष और उसकी हिम्मत की कहानी फोटो के साथ अखबार में छाप दी। शीर्षक था- 'सपनों को मिला गियरः शहर की पहली महिला ऑटो चालक।' यह खबर 'स्त्री शक्ति संगठन' तक पहुँची। संगठन की अध्यक्ष ने गुलाबो से मुलाकात की और उसकी आर्थिक स्थिति को समझा। उन्होंने बैंक से बात करके बहुत ही कम ब्याज दर पर गुलाबो को एक नया ऑटो दिलाने में मदद की। संयोग से, वह ऑटो कंपनी महिलाओं के लिए विशेष रूप से गुलाबी रंग के ऑटो बना रही थी, जिनमें सुरक्षा के लिए जीपीएस और पैनिक बटन भी थे। जब गुलाबी ऑटो शहर की सड़कों पर उतरा, तो वह आकर्षण का केंद्र बन गया। महिला यात्री, कॉलेज जाने वाली लड़कियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ अब गुलाबो के ऑटो का इंतज़ार करने लगीं क्योंकि वे उसमें खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

गुलाबो की सफलता देखकर कस्बे की अन्य पाँच महिलाएँ भी उसके पास आईं। वे भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। गुलाबो ने उन्हें न केवल ऑटो चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की। अब शहर में 'गुलाबी ऑटो' की एक पूरी फौज थी। सुमेर अब अपने पुराने ऑटो से काम करता था और गुलाबो अपने नए गुलाबी ऑटो से। दोनों की संयुक्त आय से घर की आर्थिक स्थिति सुधर गई। फूस के छप्पर की जगह पक्का कमरा बन गया। सबसे बड़ा बदलाव सुमेर में आया। अपनी पत्नी की मेहनत और समाज में उसकी इज़्ज़त देखकर सुमेर का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। उसे अहसास हुआ कि जिस शराब के पीछे वह अपनी कमाई लुटाता था, वह उनके सुखद भविष्य में बाधा है। अब वह शाम को बाहर नहीं रुकता था। वह घर आकर गुलाबो के साथ बैठकर दिनभर की बातें करता। गुलाबो ने उसे पूरी तरह शराब छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि प्यार से उसे 'सीमित' कर दिया। वह कहती, 'आज ज्यादा थक गए हो, तो बस थोड़ी सी घर पर ही ले लो।'

धीरे-धीरे सुमेर को अहसास हुआ कि उसे शराब से ज्यादा खुशी अपनी पत्नी के साथ हँसने-बोलने में मिलती है। भतेरी, जिसका नाम 'बहुत हुई' के नकारात्मक भाव से रखा गया था, आज पूरे शहर के लिए 'मिसाल' बन चुकी थी। उसने साबित कर दिया कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह न केवल अपना भाग्य बदल सकती है, बल्कि अपने जीवनसाथी को भी सही राह पर ला सकती है। आज जब भी कोई गुलाबी ऑटो सड़क से गुज़रता है, तो वह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दौड़ती-भागती गौरव गाथा नज़र आता है।

स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम वीरांगना : नीरा आर्य

पुस्तक: नीरा आर्य : अद्भुत वीरांगना
लेखक: प्रोफेसर एम एम जुनेजा
मूल्य: 200 रुपये
प्रकाशक: मॉडर्न पब्लिशर, जीरकपुर

पुस्तक समीक्षा
डॉ. विजेंद्र कुमार

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक गुमनाम नायकों के अद्भुत शौर्य व बलिदान की अनेक कहानियां अभी भी आलोक की प्रतीक्षा कर रही हैं। जो समाज अपने इतिहास को याद नहीं रखता, वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। प्रोफेसर एम.एम. जुनेजा एक ऐसी मशाल हैं जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम अनमोल रत्नों को आलोकित करने के लिए निरंतर प्रज्वलमान हैं। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के प्रति उनके हृदय में जो सम्मान है वह उनकी लेखनी से अवतरित होता है। वे अब तक 3 दर्जन ऐतिहासिक शोध ग्रंथ समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को समर्पित कर चुके हैं। इन शोधग्रंथों में से 24 कृतियां स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को समर्पित हैं। डॉ. जुनेजा द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक और गुमनाम वीरांगना नीरा आर्य पर यह पुस्तक उन्होंने अंडमान निकोबार के आदिवासियों को समर्पित की है। यह पुस्तक उत्तरप्रदेश के खेकड़ा गांव में एक किसान परिवार में जन्मी नीरा आर्य के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान पर केंद्रित है। विद्वान लेखक ने बड़े शोध-पूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया है कि मात्र 9 वर्ष की आयु में अनाथ हुई नीरा ने किस तरह आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से अंग्रेजों से संघर्ष में अपना जीवन समर्पित कर दिया। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को रेखांकित करते हुए लेखक ने बताया कि नीरा के माता-पिता की बीमारी के दौरान गांव के साहूकार से कर्ज लेने तथा उनके माता-पिता के निधन के बाद किस तरह साहूकार द्वारा कर्ज के बदले उनकी पैतृक संपत्ति कुर्क करके उसके घर पर भी कब्जा कर लिया गया। मात्र 8-9 वर्ष की आयु में वह अबोध बालिका व उसका भाई अनाथ होकर सड़क पर आ गये थे। उस समय के दानवीर व समाजसेवी सेठ छाजूराम ने नीरा व उसके भाई को गोद ले लिया। आजादी के संघर्ष के महान नायकों पर लिखी पुस्तकों की भांति डॉक्टर जुनेजा की यह पुस्तक भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रेरणादाई है। एक और गुमनाम वीरांगना की शौर्य गाथा को प्रस्तुत करने के लिए डॉक्टर जुनेजा आभारी हैं। डॉक्टर जुनेजा की अन्य पुस्तकों की तरह ही यह पुस्तक भी संग्रहणीय है।

खबर संक्षेप

केंद्रीय बजट में कौशल विकास को प्राथमिकता

हिसार। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को गांव लाडवा में आयोजित केंद्रीय बजट विषय पर युवा सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय बजट को युवा, किसान, गरीब और मध्यम वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया जनकल्याणकारी बजट बताया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्टअप, स्वरोजगार और रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी है।

युवा वर्ग को नशे से बचाने की पहल

हिसार। जिले के गांव सीसवाला में युवाओं के भविष्य को नशे की गर्त में जाने से बचाने के लिए एक पहल की गई है। यहां आजाद हिंद युवा क्लब एवं स्पोर्ट्स अकादमी की ओर से नशा मुक्ति जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया। सेमिनार के दौरान वक्ताओं ने नशे को समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के शरीर और मस्तिष्क को खोखला करती है, बल्कि यह माता-पिता के अरमानों और परिवार की सुख-शांति को भी पूरी तरह बर्बाद कर देती है।

जी-राम-जी से किसान व कमेरा वर्ग का विकास

नारनौंद। विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना के अंतर्गत गांव भैणी अमीरपुर में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में किसान एवं कमेरा वर्ग को सरकारी योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना रहा। कार्यक्रम में योजना के जिला संयोजक बिजेंद्र लोहान मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ भाजपा महिला जिला अध्यक्ष नीलम जांगड़ा, योजना नारनौद मंडल संयोजक नरेश सैनी, भाजपा नेता धर्मवीर तथा चेयरमैन भीरा सोनी विशेष रूप से मौजूद रहे। जिला संयोजक बिजेंद्र लोहान ने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना केंद्र की दूरदर्शी पहल है।

संत गौरदास महाराज ने भक्तमाल कथा सुनाई

भगवान कभी अपने ऊपर नहीं रखते किसी का कर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

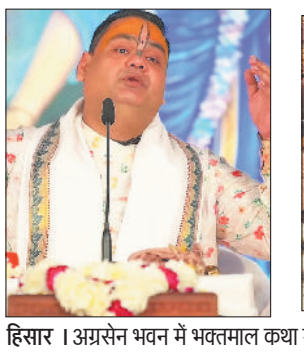

हिसार । अग्रसेन भवन में भक्तमाल कथा में प्रवचन देते संत गौरदास महाराज व उपस्थित श्रद्धालु।

गोविंद की गली परिवार, श्रीधाम वृंदावन धाम एवं लाला लखीराम आदमपुरिया परिवार के तत्वाधान में गौलोकवासी विनोद अग्रवाल की स्मृति में अग्रसेन भवन में भक्तमाल कथा जारी है। कथा के आठवें दिन संत गौरदास महाराज ने चैतन्य महाप्रभु का चरित्र सुनाते हुए बताया कि भगवान कभी भी किसी का भी कर्ज अपने ऊपर नहीं रखते किंतु कृष्ण अवतार में भगवान कृष्ण इस धरा पर लगभग 125 वर्ष रहे जिसमें 11 वर्ष ब्रज लीला 20 वर्ष मथुरा लीला और शेष लगभग 95 वर्ष द्वारिका में रहकर लीला की लेकिन 11 वर्ष की प्रभु की ब्रज लीला को सबसे अधिक सुना एवं गाया जाता है।

11 वर्ष की लीला में राधा एवं गोपियां भगवान के विरह में जितना रोई हैं तो भगवान ने माना कि मेरे ऊपर कर्जा चढ़ गया और इसी कर्जे को उतारने के लिए चैतन्य महाप्रभु के रूप में अवतार लिया। इस अवतार में उनके पास कोई अस्त्र शस्त्र नहीं था। ब्रज की लीला में गोपियों का कर्जा उतारने का प्रयास तो किया ही साथ ही साथ पात्र एवं अपात्र सभी को भक्ति भाव में विभोर कर दिया। अन्य अवतारों में भगवान ने रावण, कंस, हिरण्यकशिपु आदि राक्षसों का उद्धार तो किया पर वह भक्त नहीं बन पाए पर इस अवतार में महाप्रभु ने अनेक दुष्टों एवं पापियों का उद्धार तो किया ही, उन्हें भगवत भक्त भी बनाया। पत्थर को मशीनों आदि से तोड़ कर चूरा या पाउडर तो बनाया सकता है परंतु पत्थर को पिघलाने का काम इस अवतार में गोर हरि ने किया। जैसे दूध को नापने का पैमाना लीटर होता है, कपड़े को नापने का पैमाना मीटर, ऐसे ही भगवान की भक्ति एवं प्रेम को नापने का पैमाना त्याग या विरह है। भगवान कहते हैं जो मुझको जैसे भजता है, मैं भी उसको वैसे ही भजता हूं परंतु कृष्ण अवतार में भगवान कृष्ण गोपियों के कर्जदार हो गए और उनके विरह का कर्ज उतारने हेतु प्रभु ने चैतन्य महाप्रभु के रूप में अवतार लिया। संत गौरदास महाराज ने कहा कि राम कथा हमें जीना सिखाती है, श्रीकृष्ण कथा हमें मरना सिखाती है और गौर कथा विरह में रोना सिखाती है। कथा में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा व नगर निगम के मेयर प्रवीन पोपली आदि ने संत गौरदास महाराज का अभिनंदन किया।

सच्चा प्रेम इंसान के भीतर उठते आनंद की सहज अभिव्यक्ति

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र, उमड़े साधक

हिसार । ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

विभिन्न झंझावातों से घिरे इंसान को आनंदमय व खुशहाल जीवन जीने के उपाय बताने एवं ध्यान व प्रभु के प्रति प्रेम रस का महत्व समझाने के लिए ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस ध्यान सत्र में साधकों ने ध्यान की विभिन्न विधियां सीखी और प्रेम रस की सही परिभाषा को समझा। इस दौरान स्वामी संजय व मां सांची ने ध्यान विधियों का अभ्यास करवाया और प्रभु के प्रति सच्चा प्रेम व निष्ठा रखने का आह्वान किया।

ध्यान सत्र के दौरान स्वामी संजय ने कहा कि सच्चा प्रेम इंसान के भीतर उठते हुए आनंद की सहज अभिव्यक्ति है। जब इंसान परम पिता परमात्मा के प्रति पूरी तरह समर्पित हो जाता है तो उसके आनंद का कोई ठिकाना नहीं रहता। उन्होंने कहा कि कि परमात्मा के प्रति प्रेम हृदय की परम स्थिति है। दरअसल अस्तित्व से एकाकार हो जाना ही प्रेम की पूर्णता है। उन्होंने कहा कि इंसान सच्चे प्रेम और सच्चे आनंद को छोड़कर ईर्ष्या, द्वेष, घृणा और प्रतिस्पर्धा से घिरा रहता है। दूसरे से आगे निकलने और अधिक पाने की होड़ में मनुष्य भटक गया है। वह केवल संसाधनों को जुटाने तक सीमित हो गया।

स्वामी संजय ने ध्यान का महत्व बताया

स्वामी संजय ने बताया कि ध्यान सत्र के दौरान साधकों को सतगुरु ओशो के ध्यान और प्रेम रस पर आधारित संचित प्रवचन सुनने का भी मौका मिला। ओशो के अनुसार सच्चा प्रेम किसी पर आश्रित नहीं होता। वह अतीत के बारे में नहीं सोचता, वह भविष्य के बारे में नहीं सोचता। सच्चा प्रेम वह है जिसे तुम बांटते हो, जो तुम पर बरसता है, बिना किसी कारण के, सिवाय बांटने के आनंद के उसका कोई और उद्देश्य नहीं होता।

थुराना में डॉ. संदीप मलिक का किया नागरिक अभिनंदन

हांसी । मलिक सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ संदीप मलिक एवं उनके पारिवारिक सदस्य पिताजी श्री रामनिवास मलिक एवं माताजी एव उनकी धर्मपत्नी डॉ. रक्षीता मलिक एवं बहन डॉ. सरीता मलिक गुलिया जीजाजी डॉ. विजय कुमार गुलिया का उनके पैतृक गांव थुराना मे ग्रामवासियों द्वारा रविवार को नागरिक अभिनंदन व स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने विधायक विनोद भ्याना का भी स्वागत किया। डॉ. संदीप मलिक हांसी में अपने गांव ही नहीं सात वास के गांव समेत सभी जगह आयुष्मान भारत योजना में फ्री इलाज की सुविधा उपलब्ध दे रहे हैं एवं भिवानी नारनौंद बरवाला उकलाना हिसार में निशुल्क सेवाएं दे रहे है। डॉ. संदीप मलिक को गांव की शान पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। मेडिकल लाइन में उन्होंने गरीब परिवारों को हर तरह से एक डाक्टर ही नहीं मसीहा बनकर लोगों की मदद कर रहे हैं। मलिक सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, हांसी गरीब परिवारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डॉ. संदीप मलिक जी यहां सेवाएं दे रहे हैं। सभी प्रकार से निशुल्क इलाज की सुविधा डॉ संदीप मलिक के नेतृत्व में मलिक हस्पताल में चौबीसी घंटे उपलब्ध है। डॉ. संदीप मलिक एवं हांसी विधायक विनोद भ्याना का थुराना ग्रामवासियों ने स्वागत किया। डॉ. संदीप मलिक ने ग्रामीणों द्वारा किए गए स्वागत और पगड़ी का सम्मान करते हुए विश्वास दिलाया सदैव गरीब परिवार और आप सब के स्वास्थ्य के लिए खड़ा रहूंगा। हर तरीके से आपके साथ रहूंगा।

जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए विशेष मुहिम

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना

समाजसेवी एवं पुलिस कर्मचारी सुनील संधू ने खंड के गांव मुगलपुरा में एक जरूरतमंद परिवार की सहायता के लिए विशेष मुहिम चलाई। इस परिवार में पांच बच्चे हैं, जिनमें चार बेटियां शामिल हैं। पिता का देहांत हो चुका है और परिवार अत्यंत दयनीय हालात में जीवन यापन कर रहा था। जानकारी मिलने पर संधू ने लोगों से सहयोग का आग्रह किया और स्वयं भी मदद के लिए आगे आए। सुनील संधू ने कहा कि जरूरतमंद की सही सहायता तभी सार्थक होती है, जब वह वास्तव में उसके जीवन में बदलाव ला सके। यह मुहिम इसी उद्देश्य से शुरू की गई है कि हर जरूरतमंद तक सहयोग पहुंचे। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि बेटे भाग्य से मिलते हैं, लेकिन बेटियां सौभाग्य से मिलती हैं। ऐसे परिवारों की मदद के लिए समाज को आगे आना चाहिए।

उकलाना। जरूरतमंद परिवार व दिव्यांग इंदिरा से मिले सुनील व अन्य।

संधू ने कहा कि नशे के शिकार लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना हम सबकी जिम्मेदारी है। कुछ लोग नशा बेचकर पूरे समाज को बर्बाद कर रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि नारकोटिक सेल के नंबर 90508-91508 तथा डायल 112 पर सूचना देकर नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करवाई जा सकती है।

दिव्यांग से मिले

इस दौरान संधू ने दिव्यांग इंदिरा से भी मुलाकात की, जिन्होंने सहायता राशि लेने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें पैसे से ज्यादा लोगों के प्रेम और सहयोग की जरूरत है। उनकी यह भावना सभी के लिए प्रेरणादायक रही। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि मंगल राम नैन, नीरज इलाहाबादी, सुल्तान जेसीबी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गुरु जम्भेश्वर विवि के पांच विद्यार्थी विवो मोबाइल प्राइवेट लिमिटेड में चयनित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से विवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, बीटेक एमई, और बीटेक ईसीई कार्यक्रम के पांच विद्यार्थियों को चयनित किया गया है। भर्ती प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, विवो मोबाइल के हार्दिक सहित एचआर अधिकारियों ने विद्यार्थियों को कंपनी की कार्य संस्कृति, मुख्य संचालन और संगठनात्मक इकोसिस्टम से परिचित कराने के लिए एक जानकारीपूर्ण प्री-प्लेसमेंट टॉक का आयोजन किया। उन्होंने विवो मोबाइल के इनोवेशन और तकनीकी उत्कृष्टता पर मजबूत फोकस के बारे में भी बहुमूल्य जानकारी साझा की। प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में एमई, प्रिंटिंग, ईई व ईसीई के 40 बीटेक विद्यार्थियों ने भाग लिया। संरचित चयन प्रक्रिया में व्यक्तिगत वर्चुअल टेलीफोनिक साक्षात्कार व उसके उपरांत कंपनी परिसर में फिजिकल साक्षात्कार शामिल रहे। उन्होंने गुजविप्रौवि के साथ लगातार जुड़े रहने के लिए हार्दिक सहित विवो मोबाइल कंपनी की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया और संबंधित विभागाध्यक्षों तथा विभागीय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयकों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की। सहायक प्लेसमेंट निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी से अमन शर्मा, बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग से कार्तिक, लवेश गोठवाल व साहिल भारद्वाज तथा बीटेक ईसीई से आशीष कुमार का चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थी कंपनी में 4.2 लाख वार्षिक पैकेज के साथ ज्वाइन करेंगे। प्लेसमेंट ड्राइव का समन्वय बीटेक प्रिंटिंग के गुरमीत सिंह ने किया।

विद्युत ध्यान से साधक हुए ऊर्जावान

- समर्थगुरु धारा संघ में किया संडे ध्यान सत्र का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

समर्थगुरु धारा संघ में संडे ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इसमें आचार्य कृष्ण उत्सव ने साधकों को विद्युत ध्यान करवाया। सत्र की शुरुआत उत्सव, गुरु वंदना और ध्यान की महत्ता पर संक्षिप्त प्रवचन से हुई।

आचार्य ने बताया कि विद्युत ध्यान एक विशेष ध्यान पद्धति है, जिसमें साधक अपने शरीर और मन में विद्युत (ऊर्जा) के प्रवाह को महसूस करता और संतुलित करता है। इसका उद्देश्य है तनाव कम करना, मानसिक स्थिरता पाना और शरीर की प्राकृतिक ऊर्जा को सक्रिय करना। आचार्य कृष्ण उत्सव ने बताया कि विद्युत ध्यान का अर्थ है ऊर्जा के स्रोत पर ध्यान या ऊर्जा की तरंगों के साथ मन को जोड़ना। इसमें साधक अपने भीतर प्रवाहित प्राण ऊर्जा को विद्युत धारा की तरह अनुभव करता है। इसके बाद आचार्य ने साधकों को क्रमवार विद्युत ध्यान की प्रक्रिया समझाई और ध्यान के दौरान उत्पन्न होने वाली ऊर्जाओं को संतुलित करने के उपाय बताए।

हिसार। ध्यान साधना केंद्र में ध्यान लगाने पहुंचे साधक।

ऐसे आयोजन निरंतर होने चाहिए

संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य सुभाष ने आचार्य कृष्ण उत्सव का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों के निरंतर आयोजन की कामना की। हिसार संघ द्वारा समय-समय पर समाज के मानसिक एवं आध्यात्मिक उत्थान हेतु इस प्रकार के ध्यान कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

रंगीला श्री श्याम विशाल महोत्सव 15 फरवरी को

हिसार। श्री श्याम जनता मंडल के तत्वावधान में रंगीला 55वां वार्षिक श्री श्याम विशाल महोत्सव 15 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। हिसार के ऋषि नगर में धोबी घाट के पास स्थापित मनोकामनापूर्ण श्री श्याम मंदिर में आयोजित होने वाले श्री श्याम विशाल महोत्सव में प्रसिद्ध भजन गायक श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। श्री श्याम जनता मंडल के प्रधान सचिन गर्ग ने बताया कि श्री श्याम महोत्सव 15 फरवरी को सायं 4 बजे शुरू होगा।

इस दौरान श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को तेजोमयी शीश के दर्शन करने का भी अवसर मिलेगा। फूलों की अमृत वर्षा व इत्र की वर्षा से श्रद्धालुओं को सराबोर होने का मौका मिलेगा। महोत्सव में भक्तों को श्याम रसोई के माध्यम से 56 भोग का प्रसाद भी वितरित किया जाएगा।

सचिन गर्ग ने बताया कि श्री श्याम विशाल महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इस महोत्सव में वृंदावन के प्रसिद्ध भजन गायक गौतम कृष्ण उपाध्याय, केशव गर्ग, सुनील डाया, सुशील गर्ग, समीर बंसल व हरीश सहित कई प्रतिष्ठित गायक महोत्सव को श्याममयी बनाने में विशेष भूमिका निभाएंगे। गौरव राड़ा म्यूजिक ग्रुप व विक्की काका साउंड की भी विशेष भूमिका रहेगी।

किसान हित में काम करें अधिकारी

क्षेत्रीय अनुसंधान व विस्तार सलाहकार समिति ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में खरीफ फसलों के लिए हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जैडआरईएसी) की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा अनुभागों के अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिकों और हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद तथा भिवानी जिला के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग के अधिकारियों के अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयकों ने भी भाग लिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बैठक में कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों से मिलजुल कर किसान हित में काम करने के लिए आग्रह किया तथा क्षेत्रीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इन समस्याओं का बताया समाधान मुख्य रूप से कपास में गुलाबी सुंडी, उखेड़ा रोग, धान में विषाणु के कारण होने वाले बौनापन रोग, गेहूं में पीलापन, सरसों में सफेद रतुआ एवं तना गलन, चने में अमेरिकन सुंडी, चारा फसल बरसीम में तना गलन रोग तथा अनेक कटाई वाली जई में उर्वरक प्रबंधन आदि समस्याओं को लेकर बैठक में विस्तार से चर्चा की गई।

हिसार। बैठक को संबोधित करते डॉ. राजबीर गर्ग।

वैज्ञानिकों ने दी फसलवार प्रस्तुतियां

इसके अलावा कृषि वैज्ञानिकों ने फसलवार प्रस्तुतियां दीं, जिनमें अनुशंसित किस्मों, फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों, पौध संरक्षण उपायों और क्षेत्र की विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों में किसानों द्वारा सामना की जाने वाली उभरती चुनौतियों के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया। समिति ने पिछले खरीफ मौसम में आयोजित कृषि परीक्षणों के परिणामों पर चर्चा की तथा आगे आने वाले खरीफ मौसम में आयोजित किए जाने वाले कृषि परीक्षणों को अंतिम रूप दिया।

डेयरी व्यवसाय में सफलता के लिए वैज्ञानिक व तकनीकी जानकारी बेहद जरूरी : सोनिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते मुख्य अतिथि सोनिया सिंधु।

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन विभाग की ओर से अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पशुपालकों के लिए डेयरी फार्मिंग पर कौशल विकास के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण रविवार को सम्पन्न हो गया।

समारोह में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशिका डॉ. सोनिया सिंधु मुख्य अतिथि रहीं तथा पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. सोनिया सिंधु ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है कि दूर-दूर से पशुपालक प्रशिक्षण लेने यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि डेयरी व्यवसाय में सफलता के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी बेहद जरूरी है। पशुपालकों को पशुओं का समय पर टीकाकरण करवाना चाहिए तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए आधुनिक तरीकों को अपनाकर उत्पादन और आय बढ़ानी चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से अपील की कि वे यहां से प्राप्त ज्ञान को अन्य पशुपालकों तक भी पहुंचाएं। अध्यक्षता करते हुए डॉ. मनोज रोज ने कहा कि पशुपालन से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय सदैव पशुपालकों के साथ खड़ा है। भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि पशुपालकों को नई तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी मिलती रहे। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की ओर से खनिज मिश्रण, बाल्टी, छलनी तथा प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ये है उद्देश्य

विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य वैज्ञानिक जानकारी को गांव स्तर तक पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक पशुपालक आधुनिक तकनीकों को अपनाकर लाभान्वित हो सकें।

60 पशुपालक पहुंचे

सतपाल दहिया ने बताया कि यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की नरसल सुधार योजना के तहत आयोजित किया गया, जिसमें 60 अनुसूचित जाति के पशुपालकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा डेयरी प्रबंधन, पशुओं की उन्नत नस्लें, संतुलित आहार, पशु आवास, नवजात पशुओं की देखभाल, प्रजनन प्रबंधन, स्वच्छ दूध उत्पादन, प्रमुख रोगों की रोकथाम एवं टीकाकरण आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

गुरुद्वारा डेरा भाई जीवनसिंह का सालाना समागम मनाया

हिसार। डोगरान मोहल्ला स्थित गुरुद्वारा डेरा भाई जीवनसिंह में सत भाई गोला सत भाई लच्छीराम के 78वें सालाना समागम के उपलक्ष्य में महान कीर्तन समागम का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा के गद्दीनशीन भाई चरणजीत सिंह ने बताया कि समागम का शुभारंभ 6 फरवरी को हुआ था। गत रात्रि व आज सुबह कीर्तन किया गया। हजारों लोगों ने दरबार साहिब के समक्ष माथा टेका व कीर्तन में भाग लिया। दोनों दिन भाई हरविन्द्र सिंह दिल्ली वाले व बाबा सरबजीत सिंह खालसा दिल्ली वाले फौज अकाल के जत्थे ने गुरु चरणों से जोड़ते हुए कीर्तन किया। उन्होंने बताया कि समापन अवसर पर हरियाणा सरकार के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। अध्यक्षता नगर निगम के मेयर प्रवीन पोपली ने की। डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने गुरुद्वारा को ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की। गुरुघर की ओर से भाई चरणजीत सिंह व अन्य सेवादारों ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न व सिरोपा भेंटकर उनका अभिनंदन किया। दोपहर बाद अरदास के बाद गुरु का अटूट लंगर चलाया गया।

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में सीनियर्स की विदाई में समारोह

हांसी । एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्रांगण में रविवार को बारहवीं कक्षा के लिए ब्लेसिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में भारतीय परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न नृत्यों के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति दी। ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को टाइटल के साथ स्मृति चिन्ह देकर, उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा अपनी यादों को साझा किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी के साथ-साथ स्कूल से विदाई का दर्द भी छलक रहा था। कुछ रोचक व ज्ञानवर्धक प्रश्नों के माध्यम से मिस्टर और मिस एसडीएमपीएस का चयन किया गया। जिसमें मिस्टर एसडीएमपीएस देव मलिक तथा मिस एसडीएमपीएस समृद्धि, मिस्टर एक्सप्रेसिव परफॉर्मर सुशांत, मिस एक्सप्रेसिव परफॉर्मर प्रिया, मिस्टर हॉलिस्टिक अचीवर मोक्ष तथा मिस हॉलिस्टिक अचीवर कशिश, मिस्टर एक्सेमप्लेरी जेंटलमैन रजत और मिस एपिटोम ऑफ ग्रेस कीर्ति, मिस्टर शो स्टॉपर अनिकेत तथा मिस शो स्टॉपर आस्था मिस्टर डीस्टीनगवीशड स्कॉलर चिराग तायल तथा मिस डीस्टीनगवीशड कविका चयनित हुए। इस कार्यक्रम में ग्यारहवीं कक्षा द्वारा बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को आकर्षक खेल खिलाए गये। इन खेलों में पेपर डांस, होल्ड दा बैलून, म्यूजिकल चेयर जैसे मनमोहक खेल रहे। सभी विजेता विद्यार्थियों को प्राचार्या ऋतु सिंह ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्राचार्या ऋतु सिंह ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी अपने जीवन में उन्नति करें, उनका भावी जीवन मंगलमय एवं कल्याणकारी हो। वे उन्नति की सीढ़ियां चढ़ते जाएँ, अपने अभिभावकों के साथ-साथ विद्यालय परिवार का नाम भी रोशन करें। इस अवसर पर मैनेजर नकुल अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, निशा अग्रवाल, प्राचार्या ऋतु सिंह, उप प्राचार्य महेंद्र सिंह व अन्य शिक्षक वर्ग उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

हिसार। प्रभात फेरी में श्री भोले बाबा के भजनों का गुणगान करते हुए

श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर में महोत्सव 15 को

बरवाला। मेन बाजार चौक में स्थित श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर के प्रांगण में 15 फरवरी को होने वाले शिवरात्रि महोत्सव बारे सात दिवसीय प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। मंच संचालक सतीश काठपाल और जेके चानना ने बताया कि इस प्रभात फेरी के प्रथम दिन बरवाला शहर के अनेक वार्डों 3, 4, 5 व 6 में प्रभात फेरी निकाली गई। इस प्रभात फेरी में श्री भोले बाबा के गाए गए भजनों पर उपस्थित श्रद्धालुगण झूम उठे। इस प्रभात फेरी के माध्यम से श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर में 15 फरवरी को होने वाले शिवरात्रि महोत्सव में शहरवासियों को अधिक से अधिक तादाद में पहुंचने का निमंत्रण दिया गया।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर कर्मी उत्साहित

हिसार। सकसं से संबंधित हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन की पब्लिक हेल्थ ब्रांच के कार्यवाहक प्रधान अशोक कुमार, सचिव राकेश वशिष्ठ, विकास गोस्वामी व सुरेंद्र चहल,पवन कुमार ने कहा है कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आगामी 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर संगठन का संपर्क अभियान लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि संपर्क अभियान के दौरान कर्मचारियों में हड़ताल को लेकर कर्मचारियों में भारी जोश व उत्साह है।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने किया हड़ताल का समर्थन

हिसार। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला प्रधान मनोहर लाल जाखड़ एवं जिला सचिव नरेश गौतम ने कहा कि वर्तमान केंद्र ओर प्रदेश में शासित भाजपा सरकार पूर्णतः जनविरोधी सरकार है। इसके चलते केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं देश भर के कर्मचारी संगठनों द्वारा 12 फरवरी को हड़ताल की घोषणा की है। रिटायर कर्मचारी संघ सक्रिय रूप से इस हड़ताल में शामिल हो कर इस हड़ताल को मजबूत करने का काम करेगा। जिला सचिव नरेश गौतम ने बताया कि जनवरी 2026 से लागू होने वाले 8वें वेतन आयोग में दिसंबर 2025 तक सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को इसके लाभ से वंचित रखना निंदनीय है।

जाट सेवक संघ ने किया प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों का सम्मान

शिक्षा-संस्कार ही देते हैं समाज को सही दिशा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जाट सेवक संघ की ओर से प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों के सम्मान के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध चिकित्सक एवं सामाजिक नेत्री डॉ. साक्षी चौधरी रहीं। डॉ. साक्षी चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और संस्कार ही समाज को सही दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। प्रतिभाओं को सम्मान देकर हम राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। उन्होंने जाट सेवक संघ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संघ समाज में जिस समर्पण भाव से कार्य कर रहा है, वह अनुकरणीय है और इसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है।

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

हिसार। सम्मानित होने वाली प्रतिभाएं अतिथियों के साथ। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे विशिष्ट अतिथि

संघ के प्रवक्ता सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप सिहाग, सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् गुगन राम गोदारा, समाजसेवी एवं सरकारी ठेकेदार सुभाष थोरी तथा पूर्व सरपंच एवं वरिष्ठ समाजसेवी हरिओम दहिया उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

प्रतिभाओं को प्रेरित करना उद्देश्य : राजेश

संघ के प्रधान राजेश बड़ाला ने कहा कि जाट सेवक संघ का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। संघ के वरिष्ठ प्रधान बलजीत पूनिया ने कहा कि संघ पिछले नौ वर्षों से सेवा और सम्मान के भाव से निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने भविष्य के कार्यक्रमों को और अधिक सफल बनाने हेतु समाज के सहयोग की अपील की।

युवाओं के सर्वांगीण विकास के प्रयास जारी रहेंगे

महिला प्रभारी श्रीमती स्नेह लता श्योकंद ने कहा कि संघ शिक्षा, सामाजिक जागरूकता एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। संघ के महासचिव जोगेंद्र पातड ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं मेधावी विद्यार्थियों का मंच से स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रमोद मोर ने किया।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में विशेष रूप से दादरी के जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र जांगू, नगर पार्षद नरेश ग्रेवाल, नगर पार्षद सत्यवान पानू, जाट संस्था के प्रधान दिलदार पूनिया, जाट धर्मशाला के प्रधान संजीव नंबरदार, किसान नेता दिलबाग हुड्डा, अनु सुरा, संतोष हुड्डा, संतोष जून, देवेंद्र सिंहमार, धर्मपाल ढुल, विकेंद्र मलिक, रामभगत मलिक, जयभगवान बड़ाला, हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन के राज्य प्रधान हरिओम राठी, जाट सेवक संघ के संरक्षक राजेश बेनीवाल, सुनीता रेढू, डॉ. सुखबीर सिंधु, दीपक अहलावत, कोषाध्यक्ष वेदपाल श्योराण, संदीप सावंत, लक्ष्मण श्योराण, अनिल पातड, वीरेन्द्र अहलावत, कुलबीर दूहन, विक्रम पंघाल, प्रदीप सिहाग, रामपाल लुहाच, रणबीर बूरा, कविता मोर, संजय कुंडू, देवेंद्र मान, डॉ. तेजवीर चाहर, राजेश मुंड सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इनको मिला सम्मान: सम्मान समारोह में प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें कुरुक्षेत्र की समरीन कौर (प्रथम), विभव सिहाग (द्वितीय), भव्य गिल (तृतीय), आरव सिंह, अरायना सिंह, नीतू (कैथल) सहित कुल 51 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

हिसार। बजरंग दास गर्ग के नेतृत्व में शोभा यात्रा निकालते श्रद्धालु।

श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ पर निकाली गई शोभा यात्रा

- 14 फरवरी तक चलेगी कथा, शिवालय धाम से जुड़ी जनता की आस्था : बजरंग गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

श्री प्रयाग गिरी शिवालय ट्रस्ट की ओर से श्रीमद् भागवत की कथा के शुभारंभ पर रविवार को पूजा-पाठ, भव्य कलश यात्रा, भजन मंडली व शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा शिवालय मंदिर ट्रस्ट के प्रधान बजरंग गर्ग के नेतृत्व में निकाली गई जिसमें भारी संख्या में महिला व धर्म प्रेमियों ने भाग लिया। यह शोभा यात्रा पड़ाव चौक, गोविंदगढ़ बाजार, आर्य बाजार, राजगुरु मार्केट, नागोरी गेट, मैन बाजार, मोती बाजार, गांधी चौक, देहली गेट, बागड़ियां मंदिर से शिवालय मंदिर ट्रस्ट तक गाजे-बाजों के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा में प्रमुख झांकियां भगवान राधा-कृष्ण जी, भगवान गणेश जी, शिवभोले जी, विष्णु जी का विराट रूप व अन्य विभिन्न प्रकार की झांकियां निकाली गई। शोभा यात्रा में धर्म प्रेमी सड़कों पर नाचते-गाते हुए जा रहे थे। शिवालय मंदिर ट्रस्ट के प्रधान बजरंग गर्ग ने उपस्थित धर्म प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिवालय ट्रस्ट में आज से 14 फरवरी तक श्रीमद् भागवत की कथा महामंडलेश्वर संत शिरोमणि साध्वी करूणागिरि महाराज द्वारा की जाएगी। शिवालय मंदिर प्राचीन मंदिर है जो 250 साल पुराना है। शिवालय ट्रस्ट के साथ जनता की आस्था जुडी हुई है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नारायण दास बंसल, रमेश लोहिया, सुरेंद्र सिंगला, सतेंद्र गोयल, ओमप्रकाश असीजा, जगत नारायण, रमेश तहसीलदार, कृष्ण बागड़ी,भीम महाजन, गुलशन महाजन, सत्यपाल अग्रवाल, राम अवतार सिंगला, राजेंद्र बंसल, डॉक्टर के.के. वर्मा, वीरभान बंसल, नरेंद्र गर्ग, निरंजन गोयल, मांगेराम रालवासिया, सत्यपाल असीजा, मनोहर लाल नागरू, श्रीमती अंगूरी देवी, श्रीमती ऊषा गर्ग, श्रीमती अनिता गर्ग, राजेश शर्मा, सुरेश सिंगला, डॉक्टर सुनील शर्मा, मनीष कुमार, अनिल बंसल, जगराम आदि धर्म प्रेमी भारी संख्या में मौजूद थे।

धूल फांक रहीं फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ की फाइलें : हेमसा

- काम में देरी का दोषी विभाग की अफसरशाही और सजा भुगत रहे फील्ड मिनिस्ट्रीयल कर्मी : माल

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंद्ध हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन की बैठक खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय हिसार-1 परिसर में नरसिंह सहारण की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला सचिव ओमप्रकाश माल और हेमसा राज्य महासचिव हितेन्द्र सिहाग मुख्य रूप से रहे शामिल। बैठक में नरसिंह सहारण ने बताया कि हेमसा शिक्षा सदन पंचकूला में लगातार अधिकारियों से बैठक व आंदोलन कर आवाज उठा रही है, लेकिन अफसरशाही उदासनीतापूर्ण रवैया अपनाए हुए है। संगठन लगातार विभागीय मांगों जैसे सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में सहायक का पद सृजित करने, क्लस्टर स्कूल में वर्कलोड अनुसार उपाधीक्षक व सहायक का पद सृजित करने, खण्ड शिक्षा अधिकारी में उपाधीक्षक व आंकड़ा सहायक का पद सृजित करने, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अधीक्षक का पद सृजित करने व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्थापना अधिकारी का पद सृजित करने की मांग उठा रहा है।

हिसार। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन की बैठक को संबोधित करते संगठन पदाधिकारी।

विभागों को निजी हाथों में सौंप रही सरकार

ओमप्रकाश माल ने बताया कि सरकार पूंजीवाद की नीतियों पर चलते हुए विभागों को सिकोड़ कर निजी हाथों में सौंपने का काम कर रही है। संगठनों के विरोध और लंबे आंदोलनों से भयभीत होकर सरकार ने अपने पूंजीपति आकाओं को खुश करने के लिए श्रम कानूनों को ही तोडने का काम कर दिया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेकर आवाज उठाएंगे। इस मौके पर सुनीता, नेहा, प्रोमिला, ज्योत्सना जाखड़, पूनम, राजेन्द्र टांक, रामनिवास, राजबीर, धर्मवीर, अमित, पवन बूरा व लीलाधर आदि भी मौजूद रहे।

हिसार। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते पदाधिकारी।

संत रविदास ने समाज को नई दिशा देने का काम किया: बलदेव ग्रोहा

हिसार। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पखवाड़ा के तहत बारह क्वार्टर रोड की गली नंबर 11 में संदीप कुमार के निवास पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष फतेहाबाद बलदेव ग्रोहा तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ उपस्थित रही। कार्यक्रम का संयोजन अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष राजकुमार इंदौरा ने किया। मुख्य अतिथि बलदेव ग्रोहा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर समाज को नई दिशा देने का काम किया है।

सब ईश्वर की संतान

जिलाध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि संत रविदास कहते थे कि किसी की जाति नहीं पूछनी चाहिए क्योंकि सभी मनुष्य एक ईश्वर की संतान हैं। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश देने वाले संत रविदास कर्म को जीवन में सबसे महत्वपूर्ण मानते थे।

वीबी जी राम जी के बारे में दी जानकारी

बरवाला। क्षेत्र के गांव देवीगढ़ पूनिया में विकसित भारत ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच मनोज चौहान ने की और संचालन रोहताश ग्रोवर ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में मार्केट कमेटी के चेयरमैन प्रवीण सैनी ने शिरकत की। मुख्य वक्ता चेयरमैन प्रवीण सैनी ने अपने संबोधन में विकसित भारत ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बारे में बताया। इस दौरान सैकडों मजदूरों ने चेयरमैन प्रवीण सैनी के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा। चेयरमैन प्रवीण सैनी ने इन समस्याओं का शीघ्र ही समाधान करवाए जाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रोहतास ग्रोवर, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि पलवेश कुमार गूंदली, संयोजक जगरूप वर्मा, सह संयोजक मानसिंह चौहान, प्रीतम व बिट्टो आदि थे।

आरपीएस स्कूल में बच्चों ने दिया स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट

हांसी। स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट एवं करियर काउंसलिंग के दौरान उपस्थित विद्यार्थी व अभिभावक। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

आरपीएस पब्लिक स्कूल में रविवार को स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों को पहचानकर उन्हें स्कॉलरशिप के माध्यम से प्रोत्साहित करना तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध करवाना रहा। विद्यालय परिसर में परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करवाया गया। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी। विद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए एक विशेष करियर काउंसलिंग सेशन भी आयोजित किया गया।

इस सेशन में शिक्षा विशेषज्ञों ने अभिभावकों को वर्तमान समय में बदलते शिक्षा क्षेत्र, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, सही विषय चयन, नई शिक्षा नीति तथा बच्चों की रुचि एवं क्षमता के अनुसार करियर चयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। अभिभावकों ने भी इस सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने बच्चों के भविष्य से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

उकलाना। अंडरपास की मांग पर धरने पर बैठे क्षेत्रवासी। *फोटो: हरिभूमि*

अंडरपास धरना कमेटी ने सीएम के आदेशों का किया स्वागत

उकलाना मंडी। अंडरपास की मांग पर जारी धरना रविवार को 24वें दिन में प्रवेश कर गया। इस दौरान धरना कमेटी द्वारा मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश सरकार के नाम धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। धरना कमेटी के अध्यक्ष कपूर सिंह ने कहा कि सरकार ने उनकी मांग को गंभीरता से लेते हुए फिजिबिलिटी जांच के आदेश दिए, जिसके तहत शनिवार को संबंधित विभागों की टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। यह सरकार की सकारात्मक सोच का प्रमाण है। कमेटी मुख्यमंत्री नायब सैनी, जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन का आभार व्यक्त करती है कि उन्होंने जनता की मांग पर संज्ञान लिया। इस अवसर पर कपूर सिंह, रिंकू वर्मा, जय सिंह गोदारा, बलवान सिंह, रघुवीर सिंह, मनिंदर पाल, गगनदीप सहित अन्य सदस्यों ने सर्वसम्मति से धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और उम्मीद जताई कि जल्द ही अंडरपास निर्माण को स्वीकृति मिलेगी।

शिक्षा विकास का सबसे सशक्त माध्यम : गंगवा

- गंगवा के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के वार्षिक समारोह में की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा के लोकनिर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि शिक्षा ही समाज, प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर नैतिक मूल्यों, अनुशासन और संस्कारों को भी अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। मंत्री रणबीर गंगवा रविवार को गांव गंगवा स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित वार्षिक समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों द्वारा मुख्य अतिथि का फूल-मालाओं के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कैबिनेट मंत्री ने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया और कहा कि प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनता है, जिससे उनमें आगे बढ़ने की नई ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने विद्यालय परिसर में ऑडिटोरियम के निर्माण और कक्षाओं में डिजिटल बोर्ड लगवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि स्कूल से संबंधित जो भी कार्य होंगे उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनकी मुख्य अतिथि ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनमें छिपी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं।

हिसार। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों के साथ मंत्री रणबीर गंगवा।

जरूरी निर्देश दिए

वार्षिक समारोह के उपरांत कैबिनेट मंत्री ने विद्यालय परिसर में ही ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न जनसमस्याओं पर अधिकारियों से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

कार्यक्रम सर्वेश हेल्थ सिटी में कॉमप्रिहेंसिव रोबोटिक सर्जरी सेंटर का शुभारंभ

चिकित्सा विज्ञान का वर्तमान है रोबोटिक सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पूर्व सांसद डॉ. डीपी वत्स ने कहा है कि रोबोटिक सर्जरी चिकित्सा विज्ञान का भविष्य ही नहीं, वर्तमान है। सर्वेश हेल्थ सिटी की पहल क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक स्तर तक ले जाने की क्षमता रखती है। डॉ. डीपी वत्स रविवार को शहर के सर्वेश हेल्थ सिटी में अत्याधुनिक कॉमप्रिहेंसिव रोबोटिक सर्जरी सेंटर के शुभारंभ अवसर पर बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र को विश्व स्तरीय, सुरक्षा एवं सटीक शल्य चिकित्सा की नई पहचान मिली है। यह अत्याधुनिक केंद्र बहु-विषयक रोबोटिक सर्जिकल सेवाओं से सुसज्जित है, जो क्षेत्रवासियों को उनके अपने शहर में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की उन्नत शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. उमेश छाबड़ा ने कहा कि उन्नत तकनीक और अनुभवी चिकित्सकीय कौशल का समन्वय ही उत्कृष्ट परिणाम देता है, और यह केंद्र उसका सशक्त उदाहरण है।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. डीपी वत्स, डॉ. उमेश कालड़ा एवं अन्य चिकित्सक।

सुरक्षित हुई सर्जरी

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. विकास जैन ने बताया कि रोबोटिक तकनीक ने जटिल कैंसर सर्जरी को अधिक सुरक्षित, सटीक और ऑर्गन-प्रिजर्विंग बनाया है। 20 से अधिक रोबोटिक कैंसर सर्जरी 20 रोबोटिक इसोफेगेक्टॉमी 3 डी एचडी विजन सूक्ष्म संरचनाओं की सुरक्षा शीघ्र रिकवरी, मरीजों की प्रतिक्रियाएं रोबोटिक सर्जरी से लाभान्वित मरीजों ने अत्यंत सकारात्मक अनुभव साझा किए ब्रेन सर्जरी मरीज अर्वेक सर्जरी के कारण मुझे ऑपरेशन का डर कम हुआ और तीसरे दिन ही सामान्य बातचीत करने लगा।

सूर्य नमस्कार एक सरल, प्रभावी और वैज्ञानिक योग अभ्यास : प्रो. नरसी राम बिश्नोई

- सूर्य नमस्कार अभियान-2026 के तहत योग विभाग में विशेष कार्यक्रम आयोजित

हिसार। सूर्य नमस्कार अभियान-2026 के तहत गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम हुआ। हरियाणा योग आयोग द्वारा प्रदेश के सभी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक संस्थानों में 12 जनवरी (स्वामी विवेकानंद जयंती) से 12 फरवरी (स्वामी दयानंद जयंती) तक सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग द्वारा यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।